तकनीकी शिक्षा में नवाचार और डिजिटलीकरण की आवश्यकता

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) में शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल तकनीकों और नवाचार आधारित शिक्षण विधियों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्यअतिथि यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने तकनीकी शिक्षा में निरंतर नवाचार और डिजिटलीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए इसे आधुनिक शिक्षण प्रणाली की रीढ़ बताया।

ट्रेनिंग आफ ट्रेनर्स का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आइटीडीए) और इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया। आइटीडीए की ओर से विशिष्ट अतिथि राज्य समन्वयक (फ्यूचरस्किल्स) आरती बलोदी ने डिजिटल साक्षरता और तकनीकी दक्षता को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

वीर माधो सिंह उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि में आयोजित सेमिनार में गोपेश्वर इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक प्रो .अमित अग्रवाल एक शिक्षिका को सम्मानित करते हुए ● सामार विवि

उन्होंने कहा, शिक्षकों को उन्नत तकनीकों से लैस करना ही भविष्य की प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा की नींव है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के 141 तकनीकी शिक्षकों ने भाग लिया और प्रमुख विषयों पर विशेषज्ञ सत्रों के माध्यम से गहन जानकारी प्राप्त की।

- उभरती तकनीकों पर केंद्रित रहा ट्रेनिंग आफ ट्रेनर्स कार्यक्रम
- यूटीयू में शिक्षकों को दिया गया नवाचार आधारित प्रशिक्षण

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर दी गई जानकारी

विशेषज्ञ हितेश शर्मा ने शिक्षकों को तकनीकों के व्यावसायिक अनुप्रयोग, शिक्षा में प्रभाव और समस्याओं के समाधान में इनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग की उपयोगिता भी बताई। एसोसिएट प्रोफेसर पंकज बडोनी ने टूल्स के माध्यम से प्रतिभागियों को रंग सिद्धांत, टाइपोग्राफी और लेआउट डिजाइन की व्यावहारिक समझ दी।

प्रसिद्ध शिक्षाविद डा. घनप्रिया सिंह ने आर्किटेक्चर और स्वास्थ्य व कृषि जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता को रेखांकित किया। उन्होंने कम लागत वाली स्मार्ट तकनीकों के विकास की संभावनाओं पर विशेष बल दिया। इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी गोपेश्वर के निदेशक प्रो. अमित अग्रवाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने, विषय चयन एवं विशेषज्ञों को आमंत्रित करने में अग्रणी भूमिका निभाई।

अकादमिक स्टाफ डेवलपमेंट सेंटर के समन्वयक डा. संदीप सिंह नेगी ने व्यवस्थापन और प्रतिभागियों के साथ संवाद बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। डिजिटलीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के समापन समारोह में कुलसचिव प्रो. सत्येंद्र कुमार ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए और उन्हें नवाचार आधारित शिक्षण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आइटीडीए के वरिष्ठ अधिकार एसके बिश्नोई, तारा सिंह महतो, प्रमोद अग्रवाल, साकिब और अमित सैनी आदि उपस्थित रहे।